राष्ट्रभाषा विशारद पूर्वार्द्ध
RASHTRABHASHA VISHARAD POORVARDH

समय : 3 घंटे | पूर्णांक : 100

1. किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:- 20

1) लेकिन इससे अपने कमरे की खूबसूरती बढ़ाने की हिम्मत मुझमें नहीं है।

2) लेकिन मुझे दुःख है कि मैं स्वयं तुम्हें यहाँ न आने की सलाह लिख रहा हूँ। मैं अपने बड़े-से--बड़े स्वार्थ के लिए भी तुम्हारा अहित नहीं सोच सकता।

3) महाराज, आप तो साधु हैं, सिद्धपुरुष हैं। कुछ ऐसा नहीं कर सकते हैं कि उनकी रुकी हुई पेंशन मिल जाए।

4) फटे-चीथड़ों से अपनी नग्नता को ढांके हुए जिए जाते थे। संसार की चिंताओं से मुक्त, क़र्ज़ से लदे हुए।

5) राजनीतिज्ञ का जबान पर काबू होता है, उसके लिए वह एक अस्त्र है।

6) सूरज डूबने जा रहा था, उन्होंने कहा-- "कौन मेरे पीछे इस संसार को आलोक देगा?" चाँद थे, सितारे थे-- सब चुप रहे। छोटा-सा मिट्टी का दीया जिसने बढ़कर कहा-- "देवता, यह भारी बोझ है मेरे दुर्बल कन्धों पर।"

2. "तोताराम" (या) "निर्मला" का चरित्र-चित्रण कीजिए। 15

3. पठित पुस्तक के आधार पर "नंबरोंवाली तिजोरी" (या) "वल्लभभाई पटेल" पाठ का सारांश लिखिए। 20

4. किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए:- 15

1) रंगीली बाई 2) सियाराम 3) भालचन्द्र सिन्हा

4) कल्याणी 5) उदयभानु लाल

5. किसी एक कहानी का सारांश लिखकर कहानी-कला की दृष्टि से उसकी विशेषताएँ लिखिए:- 15

1) सिक्का बदल गया 2) नादान दोस्त

6. किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए:- 15

1) डॉक्टर 2) चातक पुत्र 3) लहना सिंह

4) शेरा 5) श्यामा

pdfinbox.com